बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-461
17/12/2019

जल–जीवन–हरियाली अभियान के माध्यम से अगले तीन वर्षों में हरित आवरण को बढ़ाएंगे और भूजल स्तर को भी नीचे जाने से रोकेंगे :– मुख्यमंत्री

पटना, 17 दिसम्बर 2019 :– मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज कैमूर जिले के भगवानपुर प्रखंड स्थित मुंडेश्वरी धाम परिसर में जल–जीवन–हरियाली यात्रा अंतर्गत जागरूकता सम्मेलन में 668 करोड़ 97 लाख रुपये की लागत से 606 विकासात्मक योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सबसे पहले मैं मां मुंडेश्वरी धाम की धरती को नमन करता हूं। मेरा सौभाग्य है कि मां मुंडेश्वरी के रंगमंच के मैदान में इस जल–जीवन–हरियाली अभियान जागरुकता सम्मेलन में भाग लेने का मौका मिला। उन्होंने कहा कि मैं मां मुंडेश्वरी का कई बार दर्शन कर चुका हूं। कार्यक्रम के लिए इस जगह का चयन करने के लिए जिला प्रशासन को बधाई देता हूं और इस मौसम में आप सबों की उपस्थिति के लिए धन्यवाद भी देता हूं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां पर किए जा रहे कई कार्यों को देखने का मौका मिला। लोगों ने भी कई समस्याओं को रखा है। उन्होंने कहा कि जल–जीवन–हरियाली आज के समय में प्रासंगिक हो गया है। जलवायु में परिवर्तन हो रहा है। बिहार में मॉनसून की समयावधि में भी बदलाव आया है। जहां पहले औसत वर्षा 1200 से 1500 मि0मी0 तक होती थी। पिछले तीस वर्षों में यह 1027 मि0मी0 पर पहुॅच गयी है और पिछले 13 वर्षों का अध्ययन करें तो औसत वर्षापात 901 मि0मी0 हो गया है। कभी असमय वर्षा, कभी अधिक वर्षापात, कभी सुखाड़ की स्थिति बनती है। पिछले वर्ष 534 प्रखण्डों में से 280 प्रखंड सूखाग्रस्त घोषित किए गए। इसी वर्ष जुलाई माह में काफी वर्षा हुई, फिर अगले माह सुखाड़ की स्थिति बनी और बाद में अधिक वर्षापात से बाढ़ की स्थिति पैदा हो गयी। 13 जुलाई को सभी दलों के विधायकों एवं विधान पार्षदों के साथ इस पर गहन मंथन कर जल–जीवन–हरियाली अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि इस अभियान के महत्व को हम सबको समझना होगा। जीवन के एक तरफ जल है तो एक तरफ हरियाली है। जल और हरियाली है तभी जीवन बचेगा। जीवन के संरक्षण के लिए जल और हरियाली दोनों के बारे में सोचना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जल–जीवन–हरियाली अभियान के अंतर्गत सार्वजनिक आहर, पईन, पोखर को अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा और अतिक्रमण मुक्त कराकर इसका जीर्णोद्धार भी कराया जाएगा। सार्वजनिक कुओं के जीर्णोद्धार के साथ ही चापाकल को भी दुरुस्त रखा जाएगा। सार्वजनिक कुओं एवं चापाकलों के पास सोख्ते का निर्माण कराया जाएगा। सभी सरकारी भवनों पर रेन वाटर हार्वेस्टिग के माध्यम से जल संचयन कर जल को भूमि के नीचे पहुंचाया जाएगा। राज्य में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार के बंटवारे के बाद राज्य का हरित आवरण क्षेत्र 9 प्रतिशत रह गया था। वर्ष 2012 में हमने हरियाली मिशन की स्थापना की और 19 करोड़ पौधे लगाए गए। इससे राज्य का हरित आवरण 15 प्रतिशत तक पहुंच गया। अगले तीन वर्षों में 8 करोड़

और पौधे लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष एक दिन में ढाई करोड़ पौधे लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि मौसम के बदलाव के अनुकूल फसल चक्र अपनाए जाने की जरुरत है। फसल अवशेष को जलाने की जरुरत नहीं है। फसल अवशेष जलाने से खेत बेकार हो जाते हैं और पर्यावरण पर भी संकट आता है। फसल अवशेष को पशुचारे के रुप में उपयोग करने की जरुरत है। हमलोग ऐसी व्यवस्था कर रहे हैं कि किसानों को फसल से ही आमदनी नहीं होगी बल्कि फसल अवशेष से भी आमदनी होगी। उन्होंने कहा कि हर घर बिजली पहुंचा दी गई है, किसानों को भी बिजली कनेक्शन अलग से कृषि फीडरों के माध्यम से दिया जा रहा है लेकिन हम सभी को सौर ऊर्जा जो कि अक्षय ऊर्जा है उसके लिए काम करना होगा। सभी सरकारी भवनों पर सोलर प्लेट लगाए जा रहे हैं। निजी तौर पर भी लोग अपने भवनों पर सौर प्लेट लगाने के लिए प्रेरित हों। सौर ऊर्जा के माध्यम से जो भी बिजली उत्पन्न होगी उसको राज्य सरकार खरीदेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दो तीन दिन पहले बिहार में वर्षा होने से कुछ फसलों को नुकसान हुआ है। इस क्षेत्र में भी फसलों को नुकसान हुआ है। यहां के आयुक्त जो कि आपदा प्रबंधन के ओ0एस0डी0 हैं उन्हें इस संबंध में निर्देश दिया गया है कि नुकसान का आंकलन कर लें। इसके लिये राज्य सरकार की तरफ से हरसंभव मदद दी जायेगी। उन्होंने कहा कि हमलोगों का मानना है कि सरकार के खजाने पर पहला अधिकार आपदा पीड़ितों का है। वर्ष 2007 में ढाई करोड़ लोग बाढ़ से प्रभावित हुए, जिनकी सहायता की गई, बाद में कोसी त्रासदी आयी, सूखे की स्थिति बनी, हर हालत में आपदा पीड़ितों की सहायता की गई। हमलोगों ने सरकार में आने के बाद आपदा प्रबंधन नीति बनाई और आपदा के समय हमेशा तत्पर रहते हैं। इस साल बाढ़ से पीड़ित होने के कारण 25 लाख 91 हजार 95 व्यक्तियों को 1555 करोड़ रूपये की सहायता दी गई। प्रत्येक परिवारों को 6 हजार रुपये प्रति परिवार की दर से ग्रेचुट्स रीलिफ के माध्यम से यह राशि उपलब्ध करायी गई। सूखे से प्रभावित लोगों को तत्काल सहायता योजना के माध्यम से सहायता दी गई। अल्प वर्षा के कारण 9 लाख 22 हजार 72 परिवारों को मदद दी गई। सितंबर माह में बाढ़ से प्रभावित 7 लाख 22 हजार लोगों को 381 करोड़ रुपए की अतिरिक्त सहायता दी गई यानी इस वर्ष कुल 41 लाख 50 हजार आपदा प्रभावित लोगों को 2213 करोड़ 60 लाख रुपए की सहायता दी गई। इसके अलावा इनपुट सब्सिडी के तहत सहायता उपलब्ध करायी गई है। क्षतिग्रस्त सड़कों के निर्माण जैसे काम भी कराए गए। आपलोग चिंता मत कीजिएगा। जो भी संभव होगा आगे भी हम मदद करते रहेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जल–जीवन–हरियाली अभियान पर तीन वर्षों में 24 हजार 500 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। यह काम मिशन मोड में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं की मांग पर शराबबंदी की गई। पहले गाढ़ी कमायी का बड़ा हिस्सा शराब पीने में लोग गंवाते थे, परिवार में अशांति का माहौल रहता था। शराबबंदी के बाद समाज में काफी बदलाव आया है। बाल विवाह एवं दहेज प्रथा के खिलाफ भी अभियान चलाया जा रहा है। बाल विवाह से उत्पन्न बच्चे बौनेपन के शिकार होते हैं और महिलाएं कई बीमारियों की शिकार होती हैं। उन्होंने कहा कि 19 जनवरी 2020 को जल–जीवन–हरियाली अभियान के पक्ष में और बाल विवाह एवं दहेज प्रथा के खिलाफ एवं शराबबंदी एवं नशामुक्ति के पक्ष में मानव श्रृंखला में आप सब शामिल होकर अपनी प्रतिबद्धता दर्शाएं। उन्होंने कहा कि 17 नवंबर को दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति श्री बिल गेट्स पटना आए थे और उनसे मुलाकात के क्रम में जल–जीवन–हरियाली अभियान की चर्चा हुई। जलवायु परिवर्तन पर भी विचार विमर्श हुआ। उन्होंने यहां से जाने के बाद इस बात की चर्चा की कि बिहार में भी जलवायु परिवर्तन को लेकर कार्य किए जा रहे हैं। हमलोगों हर घर बिजली पहुंचा दी है, हर घर नल का जल

अगले माह अगस्त तक पहुंचा देंगे। हमलोगों के अच्छे कामों को केंद्र सरकार भी अपनाती है। इन दोनों योजनाओं को भी केंद्र ने अपनाया है। हाल ही में राजस्थान की टीम शराबबंदी के काम को देखने आयी थी। हमलोग हर क्षेत्र में काम कर रहे हैं। आज भी 564 करोड़ 82 लाख रुपए की 515 योजनाओं का शिलान्यास और 104 करोड़ 15 लाख की 91 योजनाओं का उद्घाटन किया गया है। इसमें आई0टी0 सेंटर का भी उद्घाटन किया गया है। ग्रामीण कार्य विभाग के तहत विभिन्न पथों का निर्माण भी कराया जाएगा और कई अन्य कार्य कराए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मां मुंडेश्वरी मंदिर में जाने के लिए रोप–वे निर्माण का टेंडर हो चुका है। उन्होंने मुख्य सचिव को निर्देश दिया कि इस कार्य को शीघ्र कराएं। उन्होंने कहा कि बिहार में हमलोगों ने सरकार में आने के बाद न्याय के साथ विकास किया है। समाज के हर तबके के विकास एवं उनके उत्थान के लिए काम कर रहे हैं। एस0सी0–एस0टी0 /अल्पसंख्यकों/अतिपिछड़ों/महिलाओं के उत्थान के लिए काम किया गया है। हाशिए पर रह रहे लोगों को मुख्यधारा में लाने के लिए कई योजनाएं चलायी गई हैं। हमारी प्रतिबद्धता सभी लोगों के प्रति है। सभी मिल जुलकर प्रेम भाईचारे के साथ रहेंगे तो समाज, राज्य और देश की प्रगति होगी। उन्होंने कहा कि बिहार में जल–जीवन–हरियाली अभियान के माध्यम से अगले तीन वर्षों में हरित आवरण को बढ़ाएंगे और भूजल स्तर को भी नीचे जाने से रोकेंगे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री को पौधा, प्रतीक चिन्ह एवं फूलों की बड़ी माला भेंटकर उनका अभिनंदन किया गया। मुख्यमंत्री ने जल–जीवन–हरियाली अभियान पर आधारित एक संकलित पुस्तक का भी विमोचन किया।

कार्यक्रम को कैमूर जिले के प्रभारी मंत्री सह परिवहन मंत्री श्री संतोष कुमार निराला, खान एवं भूतत्व मंत्री श्री बृज किशोर बिंद, मुख्य सचिव श्री दीपक कुमार, पुलिस महानिदेशक श्री गुप्तेश्वर पांडेय ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर सांसद श्री महाबली सिंह कुशवाहा, विधायक श्री अशोक कुमार सिंह, विधायक श्रीमती रिंकी रानी पांडेय, विधायक श्री निरंजन राम, विधान पार्षद श्री संतोष कुमार सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, ग्रामीण विकास विभाग के सचिव श्री अरविंद कुमार चौधरी, योजना एवं विकास विभाग के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा, पटना प्रमंडल के आयुक्त श्री संजय कुमार अग्रवाल, सूचना एवं जन–संपर्क विभाग के सचिव श्री अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, शाहाबाद रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक श्री राकेश राठी, कैमूर के जिलाधिकारी डॉ0 नवल किशोर चौधरी, पुलिस अधीक्षक श्री सुजीत कुमार सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति, वरीय अधिकारीगण, जीविका की दीदियां एवं बड़ी संख्या में आमलोग उपस्थित थे।

कार्यक्रम के शुरुआत के पूर्व कैमूर जिले के भगवानपुर प्रखंड के पहाड़िया पंचायत अंतर्गत अवसान ग्राम में मुख्यमंत्री ने जल–जीवन–हरियाली अभियान के अंतर्गत पईन का निर्माण कार्य, तालाब का सौंदर्यीकरण, कैटल ट्रफ, सार्वजिनक कुओं का जीर्णोद्धार, सौर प्लेट का निर्माण एवं सोख्ता निर्माण कार्य का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने उत्क्रमित मध्य विद्यालय अवसान में वर्षा जल संरक्षण इकाई का भी निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने जागरुकता सम्मेलन के पास बने विभिन्न विभागों से संबद्ध स्टॉलों का निरीक्षण भी किया।

******